NEWS CLIPPING: 12 & 13.01.2017

DAINIK JAGRAN

विवेकानंद के उपदेशों को जीवन में आत्मसात करें

स्वामी स्वसमवेद्यानंद स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार● जागरण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच की ओर से स्वामी विवेकानंद की 154वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय युवा सम्मेलन-2017 का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप जलाकर तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रामकिशन मिशन में सहायक सचिव स्वामी स्वसमवेद्यानंद तथा पुनरुत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद से दिलीप केलकर पहले दिन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो. दिनेश ने कहा कि विवेकानंद की शिक्षाएं युवाओं के लिए हमेशा प्रासंगिक रहेगी।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए स्वामी स्वसमवेद्यानंद ने युवाओं को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की अपनी क्षमताओं को पहचानने का मंत्र दिया। दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए दिलीप केलकर ने 'भारतीय जीवन दृष्टि' पर अपने विचार रखे। दूसरे दिन सम्मेलन में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन से परिचित कराने के लिए संक्षिप्त फिल्म भी दिखाई गई। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डिजिटल इंडिया विषय पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में पलक गुर्जर प्रथम स्थान, गरिमा गोयल दूसरे व पंकज कुमार तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय संस्कृति पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विकास सिंह और प्रियम गेरा प्रथम और हर्ष व रितु दूसरे स्थान व तीसरे स्थान पर सचिन व अशिर रहे। कार्यक्रम का समन्वयन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप कुमार डिमरी तथा अध्यक्ष, सांस्कृतिक मामले डॉ. सोनिया ने किया।

डिजिटल इंडिया विषय पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में पलक गुर्जर प्रथम स्थान पर रहे।

NEWS CLIPPING: 12 & 13.01.2017

DAINIK BHASKAR

'स्वामी विवेकानंद के उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करें युवा'

वाईएमसीए में युवा सम्मेलन शुरू किया गया

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की 154वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय युवा सम्मेलन-2017 बुधवार से शुरू हुआ। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। पहले दिन रामकिशन मिशन में सहायक सचिव स्वामी स्वसमवेद्यानंद तथा पुनरुत्थान विद्यापीठ अहमदाबाद से आए दिलीप केलकर मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मुख्य वक्ताओं तथा प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं युवाओं के लिए हमेशा प्रासंगिक रहेंगी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के उपदेशों को आत्मसात कर राष्ट्र विकास में योगदान देने का आह्वान किया। स्वामी स्वसमवेद्यानंद ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों के माध्यम से उनके महान एवं प्रेरणादायी नेतृत्व गुणों के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की अपनी क्षमताओं को पहचानने तथा विजेता बनाने का मंत्र दिया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए दिलीप केलकर ने 'भारतीय जीवन दृष्टि' पर अपने विचार रखते हुए प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली को विश्व की सबसे पुरानी एवं उपयुक्त बताया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को पुनरुत्थान की आवश्यकता है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था में संभावित क्षमताओं के अनुरूप व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा तंत्र ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ज्ञान का होना भी जरूरी है। इसलिए तंत्र ज्ञान को व्यावहारिक बनाने की आवश्यकता है। कुलपति ने स्वामी स्वसमवेद्यानंद तथा दिलीप केलकर को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का समन्वयन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप कुमार डिमरी तथा अध्यक्ष, सांस्कृतिक मामले डा. सोनिया ने किया। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान निबंध लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी तथा पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताएं भी होंगी।

NEWS CLIPPING: 12 & 13.01.2017

HINDUSTAN

'स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं प्रासंगिक रहेंगी'

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को विवेकानंद मंच की ओर से स्वामी विवेकानंद की 154वीं जयंती के मौके पर दो दिवसीय युवा सम्मेलन की शुरुआत हुई।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पहले दिन मुख्य वक्ता के तौर पर रामकिशन मिशन में सहायक सचिव स्वामी स्वसमवेद्यानंद और पुनरुत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद से दिलीप केलकर पहुंचे। प्रो. दिनेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं युवाओं के लिए प्रासंगिक रहेगी। स्वामी स्वसमवेद्यानंद ने उनके जीवन और आदर्शों पर विचार रखे। दिलीप केलकर ने 'भारतीय जीवन दृष्टि' पर विचार रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में संभावित क्षमताओं के अनुरूप व्यक्तित्व विकास को जरूरी बताया।

NEWS CLIPPING: 12 & 13.01.2017

HINDUSTAN

विवेकानंद जयंती पर प्रतिभा दिखाई

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

स्वामी विवेकानंद जयंती को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में वाद-विवाद, भाषण, पेंटिंग और कई प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं, वाईएमसीएम में चल रहा दो दिवसीय से कार्यक्रम संपन्न हो गया। इसमें फरीदाबाद और पलवल के कई कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया।

वहीं, एनआईटी तीन डीएवी शताब्दी महाविद्यालय में भी राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसमें यूथ रेड क्रॉस, रेड रिबन क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग, पोस्टर बनाना, कविता पाठ एवं गायन के मुकाबले हुए। पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में सोनाली शर्मा प्रथम, अनुज द्वितीय एवं मोहित तृतीय स्थान पर रहे। स्लोगन राइटिंग में कंवलजीत सिंह प्रथम, सागर द्वितीय और नेहा यादव तृतीय स्थान पर रही। गायन प्रतियोगिता में मान सिंह का प्रथम एवं यॉशिका को द्वितीय रही। कविता पाठ में राहुल गुप्ता प्रथम, मनजीन और आशुतोष सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि लक्ष्मण को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में नूर अरोड़ा प्रथम, यशपाल शर्मा ने द्वितीय और रितु माथुर ने तृतीय स्थान पर रही। इस मौके पर कॉलेज के प्रचार्य डॉ. सतीश आहुजा, सह-संयोजक डॉ. सुनीति आहूजा आदि मौजूद रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

वाईएमसीए में बुधवार से चल रहा दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हो गया। इसमें विभिन्न कॉलेजों के करीब सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में वाईएमसीए की अनुष्का ने बाजी मारी। जबकि दूसरे स्थान पर केएल मेहता दयानंद कॉलेज की सीमरनजीत कौर द्वितीय और बाजा जी कॉलेज की शशी तृतीय स्थान पर रही। लेखन प्रतियोगिता में केएल मेहता कॉलेज की रितू शर्मा प्रथम, एसडी कॉलेज पलवल की आरती द्वितीय स्थान पर रही।